आया था। मैं तीन दिनों तक पी०एम० ऑफिस में टेलीफोन करता रहा कि प्रधान मंत्री जी से भेंट कराओ, बात कराओ लेकिन पी०एम० ऑफिस से सूचना नहीं मिली। महोदया, इस देश में भगवान से मिलना सरल है, लेकिन वर्तमान प्रधान मंत्री से मिलना बड़ा कठिन है। हम ने एक पत्र लिखकर दिया कि अगर राज्य सरकार द्वारा कराए गए सर्वे पर आप को विश्वास नहीं है तो कम-से-कम केन्द्रीय दल भेजकर के जिन 22 जिलों में बाढ़ आई उस में 7 जिलों बांका, कोड़ा, दुमका देवगढ़, जमुही, मुंगेर, साहिबगंज, भागलपुर, पूर्णिया और कटिहार जोकि 27-28 सितंबर की बाढ़ से प्रभावित हुए, उन का तो सर्वे करा लीजिए। महोदया, मैं कल-परसों बांका गया था। वहां सेंट्रल टीम पहुंची थी और बांका शहर में जो दो पुल थे उन्हें देखकर लौट आई, लेकिन उन्होंने जहां 16 हजार हैक्टेयर जमीन बांका की बाढ़ के चलते बालूमय हो गयी और फसल बर्बाद हो गयी, वहां जाकर देखने का कष्ट नहीं किया।

उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे): यादव जी, आप अपना भाषण बाद में कंटीन्यू करिए।

I now adjourn the House till 2 p.m.

The House, then, adjourned at thirty two minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at five minutes past two of the clock.

[THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI KAMLA SINHA) in the Chair]

RE. BOMB HOAX IN PARLIAMENT HOUSE

DR. BIPLAB DASGUPTA (WEST BENGAL): Madam, I understand that there has been a bomb scare and I hope that that bomb scare has been proved to be a hoax. There is no bomb in the Hall. But I am more worried about some *who are there in the hall. And if they explode then nothing can save us. Today is the 5th of December, tomorrow will be the 6th of December. Three years ago some of those who are sitting here had been the *who exploded the Babri Masjid. I am saying this just to remind you that tomorrow no BJP Member should be allowed in because I do now know.....*(Interruptions)*

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM (UTTAR PRADESH): I object to the remark made by Dr. Biplab Dasgupta. *(Interruptions)* The Calling Attention Motion is under discussion. *(Interruptions)*

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): काले कुत्ते देख रहे थे उनको कुछ नहीं मिला।

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश): मैडम,

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती कमला सिन्हा): यह तो होक्स था, हो गई बात खत्म।

श्री जनेश्वर मिश्र: नहीं मैडम/ आपके आसन से हम लोगों से कहा गया कि आप लोग जल्दी से सदन को खाली कर दीजिए। इस सदन का सदस्य होते हुए और हम लोग इस महान देश के प्रतिनिधि माने जाते हैं और उस हालत में ऐसे बोल दिया जाए, यह मामूली घटना नहीं है। सैंट्रल हॉल में जाने के बाद हमको मालूम पड़ कि यहां कहीं बम रखा है और जांच होने वाली है।.... **(व्यवधान)**

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): कोई टेलीफोन आया था।

श्री जनेश्वर मिश्र: ऐसे बम हिन्दुस्तान की सरहद प हमारे सिपाही अपने सीने पर बहुत झेलते है। यह सद बहुत बड़ी जगह है। अगर यहां से यह मैसेज चला जा कि मामूली टेलीफोन के आने पर पार्लियामेंट के मेंबर सदन छोड़कर चले जाते हैं तो यह मत समझिएगा कि मुल्क के सामने एक अजीब किस्म का चरित्र निर्मा होगा और वह शर्मनाक होगा। जिस किसी ने यह हरक की, मैं नहीं जानता कि गृह मंत्रालय का यहां कोई है नहीं, लेकिन जिस किसी ने यह हरकत की उसके बारे क्या कार्रवाई हो रही है और यह वातावरण संसदी जनतंत्र में दुनियां में कहीं भी नहीं है। हिन्दुस्तान का एक लड़का लंदन के पार्लियामेंट में बम फैकने गया था, य तो सुनने को मिला था, लेकिन हिन्दुस्तान की संसद और दुनियां की संसद में इस तरह की घटना कहीं सुन को नहीं मिली। बहुत ही शर्मनाक है और इसके लि होम मिनिस्टर को जिम्मेदारी लेकर के बयान देना चाहि कि वे क्या कार्रवाई कर रहे है? टेलीफोन भी इस तर के फेक आते हैं तो उसकी टेलीफोन डिपार्टमेंट जांच क सकता है, कार्रवाई कर सकता है, वरना ऐसे घटनाएं रो होने लगेंगी, तो यह सदन नहीं चल सकता और संसदी जनतंत्र भी नहीं चलेगा। अगर असली बम आएगा त संसदीय जनतंत्र चलेगा कि नहीं, यह एक बहुत बड़ प्रश्नचिन्ह लग गया है। इसलिए मैडम, मैं चाहूंगा कि इसको गंभीरता से लिया जाए। जैसे आपने कह दिया कि इसको छोड़िए, यह छोड़ने लायक विषय नहीं है।

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): The whole thing started with a phone call. I want to know whether that phone call has been traced or not? There are means by which the telephone call can be traced. From which telephone has the call come? Has that been done?

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Madam, why do you adjourn? Even if there is a call, why do you adjourn? *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI KAMLA SINHA): One at a time please.

SHRI SANATAN BISI (Orissa): Madam, the Home Minister should come and give a statement on this issue immediately.

SHRI DIGVIJAY SINGH (Bihar): Madam, there is no cabinet Minister present here right now. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI KAMLA SINHA): Let him Seak

श्री दिग्विजय सिंह: उपसभाध्यक्ष महोदया, जिस बात को मिश्र जी ने कहा उसको बहुत गंभीरता से लेने वाली बात है। अफसोस इस बात का है कि जो मैसेज यहां से भी गया और हम लोग डर से बाहर निकले और कैमरा मैन हम लोगों को पूछ रहे थे चारो तरफ। भारत सरकार का गृह मंत्री तो छोड़िए, कोई कैबिनेट स्तर का मंत्री भी सदन में दोबारा लौट कर नहीं आया। हम क्या मैसेज देना चाह रहे हैं।.....**(व्यवधान)** जिस देश के लोगों की यह परम्परा रही कि अपनी आजादी के लिए, अपने जनतंत्र के लिए दुनियां की जगहों पर तो जाकर लड़ सके.....**(व्यवधान)**

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस०एस० अहलुवालिया): इसको इतना मत खींचिए।

श्री दिग्विजय सिंह: मैं खींच नहीं रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि कोरम के लिए भी घंटी बजानी पड़ रही है। कोरम की घंटी बज रही है और सरकार का कोई केबीनेट स्तर का मंत्री मौजूद नहीं है। सरकार के केबीनेट के मंत्री के बिना सदन चलता नहीं है। यह परम्परा थी कि केबीनेट मिनिस्टर के बिना यह सदन कभी चलता नहीं है।

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती कमला सिन्हा): आप आसन ग्रहण करें।

श्री जनेश्वर मिश्र: आपकी व्यवस्था क्या है यह दिग्विजय सिंह ने प्रश्न उठाया। मेरा निवेदन यह है कि सदन चलाने में सरकार को कोई दिलचस्पी है या नहीं है, एक भी केबीनेट मंत्री सदन में नहीं है।

उपसभाध्यक्ष (श्रीमती कमला सिन्हा): कृपया आसन ग्रहण करें।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madam, I agree with Mr. Janeshwar Misra. I am in full agreement with the point made by him. Simply because there was a phone call, the House adjourned. It is unfortunate. Such a thing was not done earlier. So many calls come. The House is not adjourned because of that. This would mean that we are suspecting our own security system here.

Of course, the hon. Minister has to come and tell us as to who made the call and from which number it came. The decision to adjourn the House has been taken by the Chair. I am not questioning the authority of the Chair. But what were the circumstnces which led to the adjournment of the House? It is quite unfortunate that we are denigrating the institution of Parliament.

श्री संघ प्रिय गौतम: उपसभाध्यक्ष महोदय, माननीय मिश्र जी ने एक बात बहुत अच्छी कही, उन्होंने कहा कि माननीय सदस्य लोग यहां से चले गये, यह भी तो बुरी बात है। हम तो यहीं रहे और टीम में और भी सदस्य थे। जो लोग यहां तलाशी ले रहे थे वे भी इन्सान हैं और हम भी इन्सान है। अगर बम होता और फटता तो उनको भी नुकसान होता और हमें भी होता।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: जहां तक सरकार का सवाल है वह जिम्मेदार है। हम तो पता करेंगे लेकिन यह तो देखना चाहिए कि जहां तक सब्जेक्ट का सवाल है वह इतना बड़ा रिस्क नहीं ले सकते। यदि कोई फोन आया है वह जेनुअन हो या अनजेनुअन हो लेकिन प्रीकाशन लेना अनुचित नहीं हैं। कॉल किसने किया, कहां किया? यह भी मुझे मालूम है; टेरिस्टों ने यह धमकी दी है कि हमको जो भी मेम्बर मिलेगा उसको अथवा सदन को उड़ायेंगे। यह जानकारी सबको है। यदि इस पृष्ठभूमि में हाऊस को एडजार्न्ड कर दिया गया। यह भी गंभीर बात है लेकिन इस के लिये किसी को यहां जिम्मेदार दोषी ठहराना अनुचित है। मुझे मालूम है कि जब सबके सामने बात आ गई है। मुझे पहले सूचना मिली कि साहब जोशी जी की सीट के नीचे बम रखा हुआ है।

लोग आए, देखकर चले गए। जब वह सेटिसफाइड नहीं हुये, उसके बाद हाउस एडजर्न्ड कर दिया तो कम से कम जो अधिकारी हैं उनको मैं जिम्मेदार नहीं मानता हूं। हां, सरकार का काम जरूर है कि पता कर ले कि किसने किया है, कहां किया है? और यह बात सच है कि ऐसी स्थिति में कोई जुर्म नहीं हो गया। हां, तो आगे ऐसा न हो यह जरूर ध्यान रखना चाहिये। सिक्योरिटी सिस्टम जितना हम मजबूत करते हैं इस में बावेला मचाने का सवाल नहीं नही जब कोरम की घंटी बजी, जहां तक मंत्री महोदय का सवाल है, आ गये हैं तो बड़ी अच्छी बात है हालांकि मंत्री जी को मौजूद रहना चाहिये।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: महोदया, अभी लंच के पहले कुछ ऐसी इनफोरमेशन सेक्रटिएट और दिल्ली पुलिस को मिली, दो काल आये थे और आपको पता है कि ये अनोनीमस होते हैं और टेलीफोन के माध्यम से तुरन्त पता लगाना संभव नहीं होता है कि कहां से कॉल आया, किसने किया उसकी छानबीन पुलिस वाले करेंगे, पर हमने आपना यह फर्ज समझा कि जब ये इनफोरमेशन दोनों सोर्स से आ गई कि मुरली मनोहर जोशी की कुर्सी के नीचे बम प्लान्ट किया गया है तो यह जरूरी था कि पूरे सदन की जांच शुरू की जाए और वे जिस दफ्तर में बैठते हैं, बीजेपी के दफ्तर में उस की भी छानबीन की गई और यहां की भी की गई, इनके घर की छानबीन की गई। यहां की भी की गई है उनके घर की भी छान-बीन तुरन्त की गई है। उस पर व्यवस्था की। इस पर कोई भी इस तरह की बात कहना उचित नहीं है। जब कोई भी इन्फर्मेशन सर्कुलेट करते हैं तो जो हमारा सेक्योरिटी सिस्टम है, उनका फर्ज बनता है कि तुरन्त उसका मुआइना करे। यह इस पद्धति के आधार पर किया गया और हमने सब सदस्यों से कहा कि आप तुरन्त निकल जाइए। यह कोई बहादुरी नहीं होती कि सब जनें यहां खड़े रहते, बम फटता और सब मर जाते। यह कुछ बात नहीं है। जब इस चीज का पता चला तो तुरन्त इसकी जांच करने के लिए जो एक्सपर्ट लोग हैं उनको बुलाया गया और उन्होंने पूरे सदन की जांच की।

DR. BIPLAB DASGUPTA: You have done the right thing.

CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Situation arising out of recent devastating floods in different parts of the country and the steps taken by Government thereto—contd.

श्री जर्नादन यादव: उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बता रहा था कि प्रधानमंत्री जी से मिलने के लिए मैं गया था, बाढ़ से पीड़ित लोगों की कथा सुनाने के लिए। लेकिन प्रधानमंत्री जी नहीं मिले। तीन दिन में यहां दिल्ली में बैठा रहा। खबर मिली कि प्रधानमंत्री जी 15 अक्तूबर को विदेश जा रहे हैं। मैंने बताया कि आज 11 अक्तूबर है इसलिए कम से कम बाढ़ पीड़ितों की कथा तो सुन लें लेकिन वह सुनने के लिए भी तैयार नहीं थे।

अब वहां की जो रिपोर्ट है, केन्द्र सरकार की एक कमेटी वहां गई हुई थी और वह 24 को भागलपुर पहुंची और 26 को बाटा पहुंची। मुझे जो सुनने में आया है वह यह है कि वह कमेटी बाटा शहर से लौट आई और भागलपुर शहर से भी लौट आई। वहां पर मरने वालों की संख्या हजारों से ज्यादा है। सिर्फ बाटा जिले में इनकी संख्या 300 है। सरकारी रिपोर्ट है कि 53 लोग मरे हैं। जिन लोगों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है उनकी गिनती नहीं हुई है। अगर भूकम्प होता तो मरने वाला आदमी घर में रह सकता था लेकिन सौ किलोमीटर क्षेत्र में बाढ़ थी। जो आदमी उस बाढ़ में दब गया, दब गया पता नहीं वह कहां बह गया तो वह आदमी नहीं मिल रहा है। जब आदमी ही नहीं मिल रहा है तो उसका पोस्टमार्टम कैसे होगा? वहां एक चितारपुर बांका गांव है। वहां पक्के मकान पर बैठे हुए 14 लोग थे, वे 14 लोग ही मकान सहित बह गए। उनकी लाश नहीं मिल रही है और परिवार वाले कह रहे हैं कि हमारे 14 लोग मर गए हैं। इसी प्रकार कोटा जिले में सूरणी गांव है। इस सूरणी गांव में 16 आदमी एक पक्के मकान की छत पर बैठे हुए थे। वह मकान बह गया। पक्का मकान बह गया। उनका कोई पता नहीं है। कहलगांव प्रखंड के जंगला पोखरी गांव में 21 आदमी घर में थे, पूरा घर बह गया। इस प्रकार यहां पर केवल उन्हीं की गिनती की गई है जिनका पोस्टमार्टम हुआ है। जो बहकर चले गए हैं उनकी इसमें गिनती नहीं है जब कि उनके घर वाले कह रहे हैं कि हमारे इतने लोग मरे हैं। गांव वाले कह रहे हैं कि इतने लोग मरे हैं। लेकिन सरकार पोस्टमार्टम रिपोर्ट चाहती है। लेकिन ऐसी हालत में पोस्टमार्टम रिपोर्ट कहां से लायें जब व्यक्ति ही नहीं मिल रहे हैं। तो इस पर भी विचार करना चाहिए। लेकिन सरकार नहीं सुनती है। इस क्षेत्र में गंगा-जमुना नदी के पूर्व का किनारा जिसमें 128 तटबंध हैं यानी महुआ से लेकर सिन्हास, जगदीशपुर, रजौन, बांका, अमरपुर ये नदी के पूर्वी किनारे वाले गांव हैं। चानना जो रजौन प्रखंड की एक पंचायत है, चिड़कौर, मझौनी, जहां 20